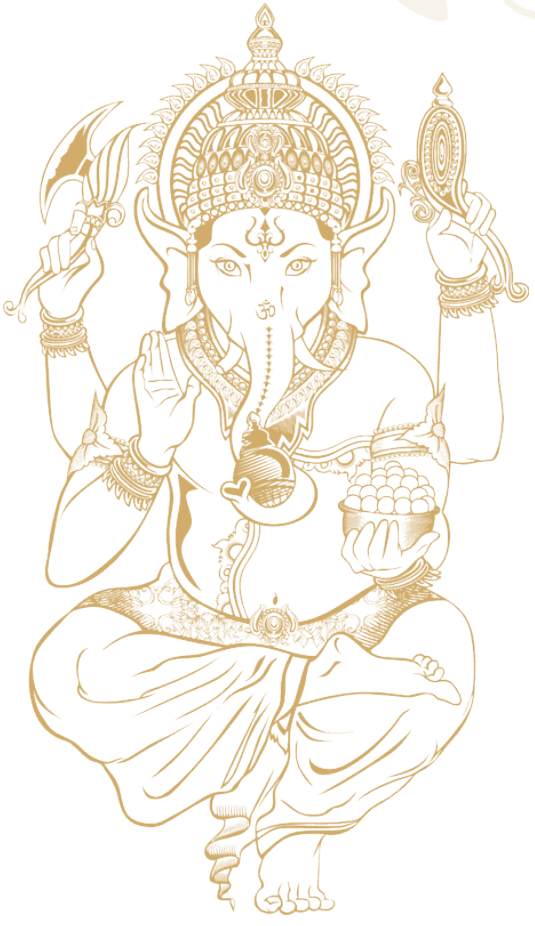

Yogesh

Priyanka

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119877905

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
5-06/12/1985	जन्म तिथि	27/11/2003
गुरु-शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 05:45:00	जन्म समय	08:00:00 घंटे
घटी 57:02:53	जन्म समय(घटी)	02:53:35 घटी
India	देश	India
Nasik	स्थान	Mumbai
20:00:00 उत्तर	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
73:52:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:32	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:55:50	सूर्योदय	06:52:55
17:54:40	सूर्यास्त	17:59:26
23:39:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:28

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 5वर्ष 4मा 4दि		03:33:22	वृश्चिक	लग्न		वृश्चिक	24:39:23	**शुक्र 3वर्ष 2मा 7दि**	
राहु		20:09:25	वृश्चिक	सूर्य		वृश्चिक	10:30:31	**मंगल**	
10/04/2008		28:07:19	सिंह	चंद्र		धनु	24:32:29	**03/02/2023**	
11/04/2026		00:54:33	तुला	मंगल		कुंभ	25:20:29	**03/02/2030**	
राहु	22/12/2010	05:39:29	वृश्चिक व	बुध		वृश्चिक	28:05:59	मंगल	02/07/2023
गुरु	17/05/2013	19:31:23	मक	गुरु		सिंह	22:48:07	राहु	20/07/2024
शनि	23/03/2016	09:26:47	वृश्चिक	शुक्र		धनु	06:09:49	गुरु	26/06/2025
बुध	10/10/2018	08:35:17	वृश्चिक	शनि	व	मिथु	18:24:12	शनि	05/08/2026
केतु	29/10/2019	14:59:17	मेष	राहु	व	मेष	26:30:35	बुध	02/08/2027
शुक्र	29/10/2022	14:59:17	तुला	केतु	व	तुला	26:30:35	केतु	29/12/2027
सूर्य	22/09/2023	24:16:36	वृश्चिक	हर्ष		कुंभ	05:08:04	शुक्र	27/02/2029
चन्द्र	23/03/2025	08:57:21	धनु	नेप		मक	16:50:12	सूर्य	05/07/2029
मंगल	11/04/2026	12:30:39	तुला	प्लूटो		वृश्चिक	25:16:44	चन्द्र	03/02/2030

लग्न-चलित

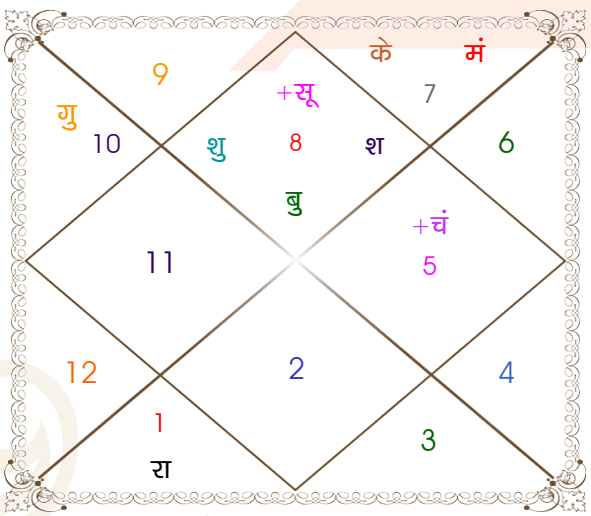

लग्न-चलित

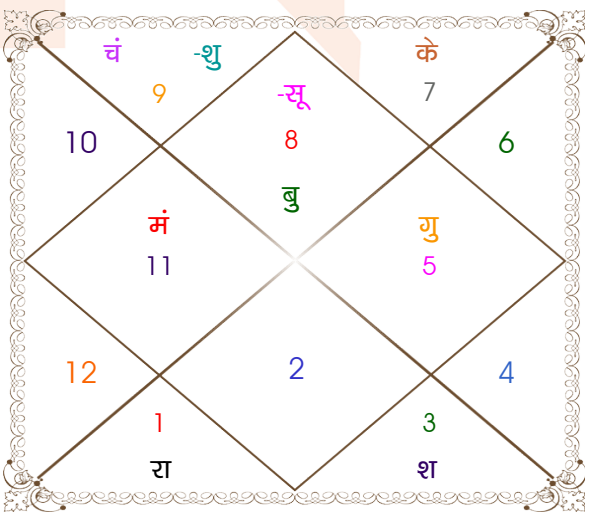

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ल्वहमेी का वर्ग श्वान है तथा च्तपलंदां का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ल्वहमेी और च्तपलंदां का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ल्वहमेी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ल्वहमेी कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्तपलंदां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु च्तपलंदां कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ल्वहमेी कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ल्वहमेी तथा च्तपलंदां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।